

STARTUP &

INNOVATION

COMPETITION

2022

THEME

MISCELLANEOUS

PROJECT TITLE

"ENTRY AND EXIT DEVICE"

Group Member

HITEN GAUTAM

jyotyshahraja@gmail. com

9654245805

State:- Delhi State Code:- 7 Language:- English Category:- Junior Area:- Urban **School**

MODERN PUBLIC SCHOOL B-Block, Shalimar Bagh North West District Delhi 110088 011-27480118

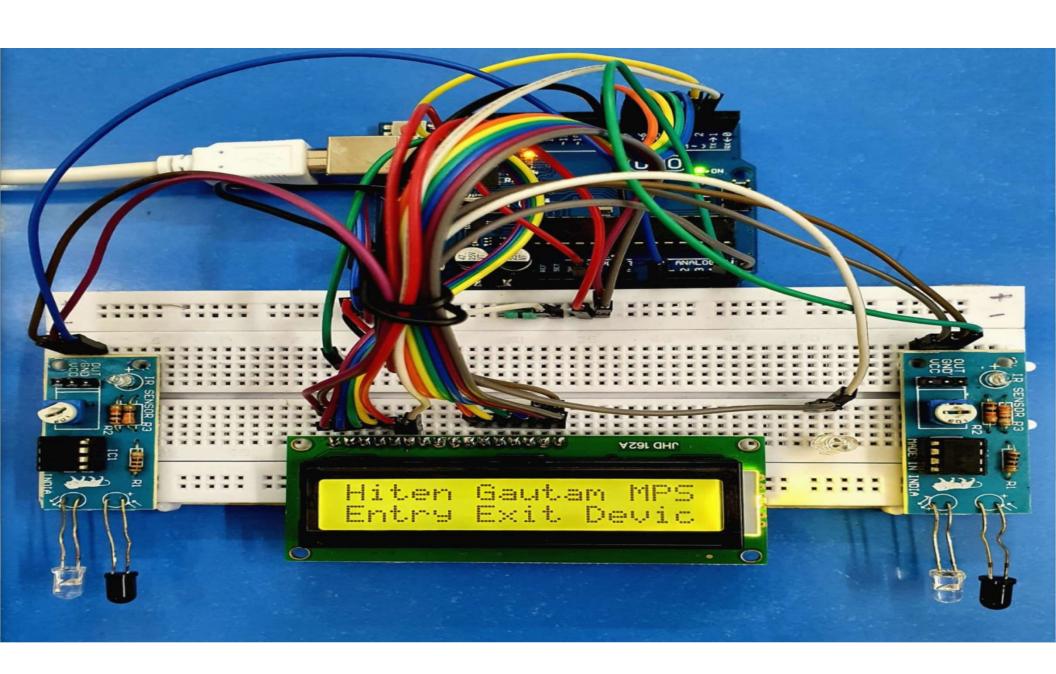
ABSTRACT

The purpose of my innovation was to design an entry-exit device to deal with the present situation of Covid 19 pandemic.

As social distancing norms are needed to be followed in public places but due to overcrowding it is not possible so I tried to make an entry exit device in this device.

I have used 16×2 display to display the number of people and other information Aderino Uno for coding IR sensor to sense the person, LED light for indication, breadboard for connections and other jumper wires to Complete my circuit.

My project work on 5V Dc to 24V Dc.



RESEARCH FOCUS:

In the present situation of covid-19 pandemic, my device will be very useful in public places as limited people are allowed to Enter and will help to maintain social distancing and my device will maintain the entry and exit of people and no overcrowding will be there, it will lead to suppression in spreading of virus from Person to person.

Device will be helpful in maintaining Entry of limited people in public places.

APPROACH FOR ANALYSIS

To know proper working of my device, I Installed my device in my community. Due to this Device people started following social Distancing norms as well as the people Entered in the society and Exit record was Maintained and there was long lasting impact of this device on the peoples behaviour now people wait for their turn and maintain appropriate distance this happened due to my Entry and Exit Device.

PROPOSED SOLUTION

ENTRY- EXIT Device can be used to deal with present pandemic situation. As we know at a public place only limited number of people are allowed to follow covid protocol so we can feed that number in the device.

Device will restricts the entry of People in that area after the fixed number and Red LED will start glowing, till somebody exits from that premises the device will not allow anyone to Enter as soon as anyone leave the premises the Red LED will be OFF and Entry will be permitted.

After unlocking, I visited public places, I saw that very few people were following the social distancing norms and all were in hurry no one was following the social distancing norms so I wanted to give the message to the Nation that they wait for your turn and don't break the covid protocols.

So I made an Entry and Exit device, it can limit the number of people gathering in public places.

During trying times when the government is focusing on social distancing norm this device is expected to come in handy and automate the entire process smoothly my device can be used in all the public places such as banks, offices, airport etc.

CONCLUSION

An Entry and Exit Device will be helpful in Maintaining social Distancing in public places so covid-19 protocol could be followed easily.



हितेन ने पिता को दिया खुद ईजाद किए गए उपकरणों का तोहफा

कोरोना काल में ऐसे कई उपकरण तैयार किए जो कारगर साबित हो सकते हैं

फादर्स डे पर विशेष

हर पिता की इच्छा होती है उनका बच्चा बड़ा होकर कुछ ऐसा कार्य करे. जिससे वह सिर्फ अपना या अपने परिवार का ही नहीं, बल्कि देश का भी नाम रोशन करे। दिल्ली के शालीमार बाग में रहने वाले जगदीश गौतम के 10 वर्षीय बेटे हितेन गौतम की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। उन्होंने इस फादर्स डे पर अपने पिता को खुद से ईजाद किए उपकरण का तोहफा दिया है। हितेन बताते हैं कि उनके पिता का सपना है कि वह बड़ा विज्ञानी बने। हितेन के मुताबिक उन्होंने कोरोना काल में ऐसे कई उपकरण तैयार किए हैं जो भी कोई नया उपकरण तैयार करें तो महामारी के इस दौर में बेहद कारगर यह ध्यान रखें कि कैसे उस उपकरण हो साबित हो सकते हैं। जब भी वे से समाज का फायदा हो। उन्होंने बताया कोई नया उपकरण तैयार करते हैं तो कि उनके पिता पेशे से व्यवसायी हैं और सबसे पहले उसे अपने पिता को भेंट वे हमेशा उनको प्रोत्साहित करते हैं। करते हैं। उनका कहना है कि ऐसा और ऊंची उडान देते हैं।

भीड़ को रोकने के लिए बनाई एंट्री-



हितेन बताते हैं कि उनके पिता उन्हें हमेशा से ही ये सीख देते हैं कि वे जब

एग्जिट डिवाइस: कई राज्य सरकारें भीड़ को सीमित किया जा सकता भी दिखने लगेगी। सार्वजनिक स्थलों को धीरे-धीरे है। हितेन के मुताबिक इस डिवाइस अनलाक कर रही हैं, लेकिन इस व सामृहिक कार्यक्रमों में प्रवेश व दिन उनके पिता ने उनसे कहा कि

सफदरजंग अस्पताल के हड़डी से वह अपाहिज हो गए। इलाज एवं जोड़ रोग विभाग में कार्यरत के लिए उनके पिता आसपास के डा. अरुण पांडेय अपने पिता रमेश अस्पतालों में लेकर भागते रहते थे। हैं कि पिताजी की ही देन

> बच्चों के लिए सपने बड़े देखे। डा. पांडेय बताते हैं जब वह पैदा हुए तो पूरी तरह से स्वस्थ थे, फिलहाल कार्यरत हैं।

उत्तर प्रदेश के बलिया

जिले के एक छोटे से

गांव लीलकहर में मामूली डा. अरुण पांडेय

किसान होने के बावजूद ® सौजन्यः खर्य

रोकने के लिए हितेन ने एक एंट्री जितने भी लोग प्रवेश करेंगे या बाहर और संक्रमण भी ने फैले। पिता की की दिशा में वह कार्य कर रही हैं।

पढाया। साथ ही उन्हें डाक्टर बनाने में दाखिला कराया. फिर झांसी और पढ़ाई का खर्चा उठाने के लिए से एमएस करके दिल्ली एम्स में जीतोड़ मेहनत की। पिता के पास सीनियर रेजिडेंट डाक्टर के रूप में मात्र पांच बीघा जमीन थी। तब भी चयन हुआ तो पिताजी का सपना पूरा हो गया। एम्स के बाद फिर

लेकिन दाई साल की उम्र में उन्हें

पोलियों हो गया जिससे एक पैर

मुझे डाक्टर बनाएंगे। अपने

तीन भाई- बहनों में डा.

उन्होंने बताया कि

नवोदय विद्यालय से 12वीं

तक शिक्षा ग्रहण की।

पिताजी ने प्रमुखीबीएस

के लिए कानपुर के

अरुण सबसे छोटे हैं।

पोलियो पीडित बेटे को पिता ने बनाया डाक्टर

चंद्र पांडेय को फादर्स डे पर विशेष उसी दौरान पिता ने सोच लिया कि

पिता ने तीन भाई- बहनों को जीएसवीएम मेडिकल कालेज

करने से वे अपने पिता के सपनों को (प्रवेश)-एग्जिट(निकास) डिवाइस जाएंगे उनकी संख्या की जानकारी इस बात को सुनकर हितेन ने हाथ की बनाई है। डिवाइस की मदद से डिवाइस को मिलेगी। डिवाइस पर कलाई में पहनने वाला एक उपकरण सार्वजनिक स्थल पर लोगों की लगी एलईडी स्क्रीन लोगों की संख्या तैयार किया। इसको जो पहनेगा उसके दो फीट के दायरे में यदि कोई आता शारीरिक दूरी बनाए रखने को तैयार है तो एलईडी इसका संकेत दे देगी। सीमित संख्या की अनमति के साथ को शापिंग माल पार्क जिम रेस्टोरेंट किया उपकरण: हितेन बताते हैं एक हितेन शालीमार बाग स्थित मार्डन पब्लिक स्कल में कथा छह में पढ़ते अनलाक की स्थिति में अचानक निकासी द्वार पर लगाकर प्रयोग किया अगर कोई ऐसा उपकरण आ जाए, है। प्रिसिपल अल्का ने कहा कि हितेन इन जगहों पर भीड़ न बढ़े, इसको जा सकता है। फिर उस स्थल पर जिससे शारीरिक दूरी भी बनी रहे के बनाए उपकरणों को पेटेंट कराने





DEMO OF ENTRY AND EXIT DEVICE

Link For My Device

https://youtu.be/I1iXNKSmpVI

